Psychology

iv) अनुचित इच्छाओं के विस्फोट का खतरा।
Threatened Break Through of Repulsive Desire।

कभी - कभी व्यक्ति के सामने ऐसी स्थिति आती है कि वह अपनी कुछ इच्छाओं पर नियन्त्रण तो करना चाहता है लेकिन वह इच्छाएँ बार - बार उसके चेतन में आ जाती है जिसके कारण उस व्यक्ति के अन्दर आत्म अवमूल्यन की भावना उत्पन्न हो जाती है और व्यक्ति के अन्दर चिन्ता के लक्षण पैदा हो जाते है।

v) कुछ अन्य कारण (Some other Causes

उपर वर्णित कारणों के अतिरिक्त भी चिन्ता के कुछ और कारण है, जो निम्नवत है

क) आर्थिक विषमता।
ख) परिवार के वातावरण का अशान्त होना।
ग) जीवन मे अत्यधिक कठिनाइया एवं समस्याएँ
घ) अत्यधिक व्यवसाय आदि।

Scanned with CamScanner

Psychology

दुश्चिंता का उपचार (Treatment of Anxiety Disorder)

इस रोग के उपचार के लिए विशेष रूप से निम्न विधियों का प्रयोग किया जाता है

i) औषधि द्वारा (By Tranquilizers)

दुश्चिंता से ग्रस्त व्यक्तियों को हल्की प्रशान्तक औषधियों का सेवन करने से थोड़ा बहुत आराम मिलता है। परन्तु उसकी जीवन शैली में कोई परिवर्तन नहीं होता है। इसलिए इस उपचार को रोगी का स्थायी उपचार नहीं समझा जाता।

ii) मनोचिकित्सा द्वारा ~~(By Psycholo~~ (By Psychotherapy)

इस चिकित्सा के द्वारा दुश्चिंता के रोगियों को स्थायी रूप से आराम मिलता है। मनोचिकित्सक इस विधि के अन्तर्गत व्यक्ति को काल्पनिक और वास्तविक परिस्थितियों के महत्व में भेद करना सिखाते हैं जिससे व्यक्ति चिन्ता से मुक्ति प्राप्त कर लेता है। इस रोग के उपचार के लिए यह विधि सबसे उत्तम है।

Scanned with CamScanner